जयपुर • कोटा • बीकानेर • उदयपुर • अजमेर • जालोर • हिण्डौनसिटी • चूरू

# राष्ट्रदूत

epaper.rashtradoot.com

अजमेर

Rashtradoot

फोनः- 2627612, 2427249 फैक्सः- 0145-2624665 वर्षः 29 संख्याः 79 प्रभात अजमेर, गुरुवार 17 अक्टूबर, 2024 आर.जे./ए.जे./73/2015-2017 पृष्ठ 6 मूल्य 2.50 रु.

## उमर अब्दुल्लाह के शपथ ग्रहण में इंडिया गठबंधन की एकजुटता का प्रदर्शन

### पर, कांग्रेस सरकार में शामिल नहीं हुई, बाहर से समर्थन देगी

-जाल खंबाता-
-राष्ट्रदूत दिल्ली ब्यूरो-

नई दिल्ली, 16 अक्टूबर। नेशनल कॉन्फ्रेंस (एन.सी.) के उपाध्यक्ष उमर अब्दुल्लाह (54) ने बुधवार को जम्मू-कश्मीर के मुख्यमंत्री पद की शपथ ली। उनके साथ पाँच अन्य विधायकों ने भी मन्त्री पद की शपथ ली। इनमें सुरिन्दर चौधरी भी शामिल हैं, जो जम्मू के एक व्यवसायी हैं। उन्होंने जम्मू क्षेत्र की नौशेरा सीट से राज्य भाजपा अध्यक्ष रवीन्द्र रैना को पराजित किया था। इस उल्लेखनीय जीत पुरस्कार स्वरूप चौधरी जम्मू-कश्मीर के उपमुख्यमंत्री बनाये गए हैं।

- उमर अब्दुल्लाह ने दूसरी बार जम्मू-कश्मीर के मुख्यमंत्री की शपथ ली। उमर केन्द्र शासित प्रदेश जम्मू-कश्मीर के पहले मुख्यमंत्री चुने गए हैं, उनके साथ 5 अन्य मंत्रियों ने शपथ ली।
- उमर ने जम्मू के नौशेरा से चुनाव जीते व्यवसायी सुरिंदर चौधरी को उपमुख्यमंत्री नियुक्त किया। चौधरी ने प्रदेश भाजपा अध्यक्ष रविंदर रैना को हराया है।
- शपथ ग्रहण समारोह में इंडिया गठबंधन के सभी प्रमुख दलों के नेताओं ने भाग लिया, जिनमें अखिलेश यादव, मल्लिकार्जुन खड़गे, राहुल गांधी, प्रियंका गांधी, प्रकाश करात, डी.राजा, कनिमोई, सुप्रिया सुले प्रमुख थे।
- कांग्रेस के सरकार में शामिल नहीं होने पर अवश्य कुछ सवाल उठे। बताया जाता है कि एक ही मंत्री पद दिए जाने से नाराज़ होकर कांग्रेस ने बाहर से समर्थन देने का निर्णय लिया है।

श्रीनगर में आयोजित शपथ-ग्रहण समारोह की अध्यक्षता राज्य के उपराज्यपाल मनोज सिन्हा ने की। इससे पहले, पिछले विधानसभा चुनावों में सुरिन्दर जब पी.डी.पी. उम्मीदवार के रूप में चुनाव लड़े थे तो उन्हें रैना ने हरा दिया था। इसके बाद सुरिन्दर चौधरी पी.डी.पी. छोड़कर, एन.सी. में शामिल हो गए थे।

श्रीनगर के शेरे-ए-कश्मीर इन्टरनेशनल कन्वेंशन सेन्टर (एस.के.आई.सी.सी.) में आयोजित इस समारोह में जिन चार अन्य विधायकों को शपथ दिलाई गई वे हैं- सतीश शर्मा, सकीना इट्टू, जाविद दर तथा जाविद राना। सतीश शर्मा छम्ब से निर्वाचित निर्दलीय विधायक हैं, जिन्होंने चुनाव के बाद एन.सी. को समर्थन दे दिया था।

वर्ष 2009 के बाद, उमर अब्दुल्लाह दूसरी बार मुख्यमंत्री बने हैं। उन्होंने केन्द्र शासित प्रदेश जम्मू-कश्मीर के पहले किन्तु अपेक्षाकृत कमजोर मुख्यमन्त्री बनने विशिष्टता अर्जित की है। ज्ञातव्य है कि केन्द्र सरकार ने 2019 में जम्मू-कश्मीर का "विशेष दर्जा समाप्त कर दिया था तथा उपराज्यपाल को ज्यादा शक्तियाँ दे दी थीं।"

शपथ ग्रहण समारोह से ठीक पहले अब्दुल्लाह ने कहा, "मैं छः वर्ष का कार्यकाल पूरा करने वाला अन्तिम मुख्यमन्त्री था। अब मैं केन्द्र शासित प्रदेश जम्मू-कश्मीर का प्रथम मुख्यमन्त्री रहूँगा। छः साल का कार्यकाल पूरा करने की पिछली विशिष्टता को लेकर, मैं काफी प्रसन्न हूँ। किसी केन्द्र शासित प्रदेश का मुख्यमंत्री होना पूरी तरह भिन्न स्थिति है। इस पद की अपनी निजी चुनौतियाँ हैं। मैं यह आशा करता हूँ कि जम्मू-कश्मीर का केन्द्रशासित प्रदेश का दर्जा एक अस्थाई फैक्टर है।"

यूनियन टेरिटरी (यू.टी.) जम्मू-कश्मीर में मुख्यमंत्री सहित, मन्त्रियों के केवल 9 पद हैं। कांग्रेस के छः विधायकों में से किसी ने भी शपथ नहीं ली। दिल्ली में कांग्रेस के एक सूत्र ने कहा कि अब्दुल्लाह ने कैबिनेट मन्त्री के केवल एक पद की पेशकश की थी, लेकिन एक पद पार्टी को स्वीकार नहीं था। कांग्रेस विधायक दल के नेता गुलाम अहमद मीर ने कहा, "जम्मू-कश्मीर के उपराज्यपाल के समय कांग्रेस के किसी भी निर्वाचित सदस्य ने शपथ नहीं ली। (पार्टी का यह कदम) जम्मू-कश्मीर को राज्य का दर्जा वापस न दिए जाने के लिए प्रधानमन्त्री नरेन्द्र मोदी के खिलाफ हमारे विरोध का प्रतीक है।" उन्होंने कहा

(शेष पृष्ठ 3 पर)

## नाबालिग पुत्री से अश्लीलता करने वाले पिता को सजा

जयपुर, 16 अक्टूबर। पॉक्सो मामलों की विशेष अदालत ने नशे की हालत में नाबालिग पुत्री से अश्लीलता करने वाले पिता को पांच साल की सजा सुनाई है। इसके साथ ही अदालत ने अभियुक्त पर 5500 रुपए का जुर्माना भी लगाया है। पीठासीन अधिकारी मीना अवस्थी ने अपने आदेश में कहा कि अभियुक्त ने पिता-पुत्री के रिश्ते को तार-तार करने वाला अपराध किया है, इसलिए उसके प्रति नरमी का रुख नहीं अपनाया जा सकता।

अभियोजन पक्ष की ओर से विशेष लोक अभियोजक राजेश श्योराण ने

- पीड़िता की माँ की रिपोर्ट पर जवाहर सर्किल थाने ने 23 मार्च को अभियुक्त को गिरफ्तार किया था।

अदालत को बताया कि घटना को लेकर गत 23 मार्च को पीड़िता की मां ने जवाहर सर्किल थाने में रिपोर्ट दर्ज कराई थी। रिपोर्ट में कहा गया कि उसका पति नशे का आदी है।

पूर्व में परिवार की एक अन्य महिला की शिकायत पर उसे एक साल जेल में रहना पड़ा था। वह कॉलोनी में भी निर्वस्त्र होकर आए दिन तमाशा करता है। बीती रात को उसने अपनी नाबालिग पुत्री के साथ अश्लीलता की है।

रिपोर्ट पर कार्रवाई करते हुए पुलिस ने अभियुक्त को गिरफ्तार कर अदालत

(शेष पृष्ठ 3 पर)

## मदार में पैंथर ने महिला का शिकार किया

### मौके पर युवक के लठ्ठ बजाने से पैंथर भाग गया, उपचार के दौरान महिला की मृत्यु

उदयपुर, 16 अक्टूबर (कासं)। आदमखोर पैंथर की तलाश कर रही वन विभाग की टीम को अब तक सफलता नहीं मिली है, वहीं, पैंथर ने बुधवार को एक महिला को अपना शिकार बना लिया। घटना गोगुन्दा-बड़गांव उपखंड सीमा क्षेत्र में आने वाले मदार गांव की है। यह गांव राठौड़ों का गुडा व केलवों का खेड़ा के पास ही है। कयास लगाए जा रहे हैं कि आदमखोर पैंथर ने अपना एरिया बदल दिया है। घटना के अनुसार, मदार बड़ा तालाब के समीप दो महिलाएं सोयाबीन की फसल काट रही थीं, तभी पैंथर ने हमला बोल दिया। हमले में एक महिला गंभीर रुप से घायल हो गई और उपचार के दौरान उसने दम तोड़ दिया। मौके पर मौजूद एक युवक ने लठ्ठ बजाकर पैंथर को भगाया।

- बुधवार को मदार गाँव में दो महिलायें सोयाबीन की फसल काट रही थीं, जब पैंथर ने हमला किया। मांगीबाई की गर्दन पैंथर ने जबड़े में दबोच ली, युवक के लाठी बजाने से पैंथर भाग गया।
- मंगलवार रात बड़गाँव क्षेत्र में रात डेढ़ बजे एक राहगीर ने पैंथर का वीडियो बनाया। पैंथर बछड़े की गर्दन दबोच कर दीवार पर चढ़ रहा था। यह आबादी क्षेत्र हैं, इस कारण दहशत फैल गई है।

जानकारी के अनुसार, मदार बड़ा तालाब के समीप स्थित एक खेत में मांगीबाई (66) व केसी बाई (60) सोयाबीन की फसल काट रही थीं। युवक गणेश ने बताया कि उसकी मां केसीबाई व मांगीबाई तथा वह खुद सोयाबीन की फसल काट रहे थे। इस दौरान अचानक आए पैंथर ने मांगीबाई पर हमला कर उसकी गर्दन जबड़े में दबोच ली। युवक लठ्ठ लेकर दौड़ा तो पैंथर मांगीबाई को छोड़ युवक की मां केसीबाई पर हमला करने लगा। युवक ने तेजी से लठ्ठ घूमाते हुए पैंथर को वहां से भगाया। हमले में मांगीबाई की मौत हो गई, जबकि केसीबाई, पत्नी चुन्नीलाल घायल है।

डी.एफ.ओ. मुकेश सैनी ने बताया कि वन विभाग की टीम मौके पर पहुंच गई है तथा मदार बड़ा तालाब के आसपास व गांव क्षेत्र में सर्च ऑपरेशन शुरू कर दिया गया है। राठौड़ों का गुडा व केलवों का खेड़ा में वन विभाग की टीम करीब 20 दिनों से पैंथर की तलाश में जुटी है लेकिन वह अभी भी पकड़ से दूर है। आदमखोर पैंथर अब तक नौ जानें ले चुका है।

बताया जा रहा है कि, मंगलवार रात बड़गांव क्षेत्र में भी एक पैंथर देखा गया। रात करीब 1.30 बजे एक राहगीर ने इसका वीडियो बनाया। जिसमें पैंथर बछड़े को गर्दन से दबोचकर 4 फीट ऊंची दीवार पर चढ़ता नज़र आ रहा है। दो दिन पहले पैंथर ने उदयपुर से 7 किमी दूर बडी गांव में एक बाड़े में घुसकर बछड़े को मार डाला था। गोगुंदा क्षेत्र में कई दिनों से पैंथर की दहशत फैली थी, अब बडगांव क्षेत्र में भी पैंथर की आहट नज़र आने लगी है।

बडगांव सरपंच संजय शर्मा बुधवार सुबह मौके पर पहुंचे तथा वन विभाग से तत्काल पिंजरा लगाने की मांग की। पंचायत समिति सदस्य भुवनेश व्यास ने भी समय रहते पिंजरा लगाने की मांग की है। जिस जगह पैंथर ने गाय के बछड़े का शिकार किया है वह आबादी क्षेत्र है इसलिए लोगों की चिंता

(शेष पृष्ठ 3 पर)

## कैनडा ने भारत पर प्रतिबंध लगाने के संकेत दिए

### पर, कूटनीतिक विशेषज्ञों का कहना है कि ऐसा हुआ तो कैनडा को ज्यादा भारी कीमत चुकानी होगी

-सुकुमार साह-
-राष्ट्रदूत दिल्ली ब्यूरो-

नई दिल्ली, 16 अक्टूबर। सिख अलगाववादी नेता हरदीप सिंह निज्जर की हत्या के मुद्दे पर नई दिल्ली व ओटावा के बीच चल रहे तनाव का अगला कदम क्या होगा? कैनडा की विदेश मंत्री मैलनी जॉली ने संकेत दिया कि भारत पर प्रतिबंध लगाया जा सकता है। कैनडा के प्रधानमंत्री जस्टिन टूडो ने भारत पर अपराधिक गतिविधियों में लिप्त होने और कैनडा के नागरिकों को टारगैट करने का आरोप लगाया और कहा, भारतीय एजेंटों के लिप्त होने के कई सबूत हैं। इस आरोप को भारत सरकार ने सिरे से खारिज कर दिया।

- कैनडा का भारत में काफी निवेश है। कैनेडियन पैन्शन फंड ने भारत में 75 अरब कैनेडियन डॉलर्स का निवेश किया हैं, साथ ही कैनडा की 600 कम्पनियाँ यहाँ काम कर रही हैं। प्रतिबंध लगे तो इन निवेशों व कम्पनियों के कामकाज पर प्रभाव पड़ेगा।
- भारत, कैनडा के कृषि उत्पादों का प्रमुख बाज़ार है और अगर कैनडा ने प्रतिबंध लगाए तो ऑस्ट्रेलिया जैसे देश इस बाज़ार पर आधिपत्य कर लेंगे।
- इन प्रतिबंधों का भारत पर ज्यादा असर नहीं होगा, क्योंकि भारत में होने वाले विदेशी निवेश में कैनडा की भागीदारी मात्र 0.57 प्रतिशत है।

अगर कैनडा ने प्रतिबंध लगा दिए तो नतीजा क्या होगा?

अगर कूटनीतिक गतिरोध जारी रहा और ओटावा ने प्रतिबंध लगा दिए तो कैनडा को कड़ी चुनौतियों का सामना करना पड़ेगा। इसके संभावित लाभ कम हैं, पर आर्थिक व कूटनीतिक नुकसान ज्यादा है।

भारत में कैनडा के कई आर्थिक हित हैं। कैनडियन पेंशन फंड ने भारत में 75 अरब कैनडियन डॉलर का निवेश किया है और 600 कैनडियन कम्पनियां भारत में काम कर रही हैं। किसी भी प्रकार के प्रतिबंध से इस निवेश का नुकसान होगा। बिज़नैस बाधित होगा, जिससे आर्थिक नुकसान होगा। कैनडा के लिए भारत एक प्रमुख नियति बाज़ार है, कैनडा के कई कृषि उत्पाद जैसे दालें आदि भारत खरीदता है। प्रतिबंध लगाने से कैनडा यह बाज़ार आस्ट्रेलिया के सुपुर्द कर देगा।

प्रतिबंध लगाए जाने पर भारत भी

(शेष पृष्ठ 3 पर)

## बकाया गुजारा भत्ते की वसूली पति की जमीन की नीलामी से होगी

जयपुर, 16 अक्टूबर। पारिवारिक न्यायालय क्रम-2 महानगर द्वितीय, ने पत्नी को कई महीने से बकाया चल रही गुजारा भत्ते की राशि, 3 लाख रुपए नहीं देने पर जमवारामगढ़ तहसीलदार को, पति की जमीन कुर्क कर बकाया राशि वसूलने के आदेश दिए हैं। आदेश के बाद तहसीलदार ने पति की ग्राम ताला में खातेदारी जमीन को कुर्क कर भू

- पारिवारिक न्यायालय ने ग्राम ताला में पति की खातेदारी जमीन कुर्क करके 5 नवम्बर को नीलामी करने को कहा।

अभिलेख निरीक्षक को इसकी 5 नवंबर को नीलामी करने को कहा है।

अधिवक्ता डी.एस. शेखावत ने बताया कि 5 जून 2012 को प्रार्थिया की शादी अप्रार्थी पति के साथ सामूहिक विवाह सम्मेलन में हुई थी। शादी के बाद से ही ससुराल वालों ने प्रार्थिया को दहेज के लिए प्रताड़ित किया और गाली-

(शेष पृष्ठ 3 पर)

## मैसूर अरबन डवलपमैंट अथॉरिटी के चीफ मारीगौड़ा ने अचानक इस्तीफा दिया

### मारीगौड़ा ने इस्तीफे के बाद बताया कि उन्होंने मुख्यमंत्री के निर्देश पर इस्तीफा दिया है, साथ ही उन्हें स्वास्थ्य संबंधी समस्या भी है

-लक्ष्मण वैंकट कुची -
-राष्ट्रदूत दिल्ली ब्यूरो-

नई दिल्ली, 16 अक्टूबर। कर्नाटक में एम.यू.डी.ए. (मैसुर अरबन डवलपमैंट अथॉरिटी) "मुडा लैंड स्केम" में तेजी से बदलते घटनाक्रम के बीच भाजपा और कांग्रेस में एक रोचक जंग छिड़ गई है जिसके केन्द्र में मुख्यमंत्री सिद्धारमैया है।

- मारीगौड़ा के इस्तीफे के बाद कर्नाटक भाजपा ने मुख्यमंत्री सिद्धारमैया के खिलाफ मुहिम तेज कर दी है। भाजपा नेता राष्ट्रपति मुर्मू से मिलने की तैयारी में हैं और उनसे भ्रष्ट व हिंदू विरोधी मु.मंत्री सिद्धारमैया को बर्खास्त करने की मांग करेंगे।

ऐसे समय में जब भाजपा इस मुद्दे पर भड़की हुई है और राष्ट्रपति से मांग कर रही है कि भ्रष्ट एवं हिन्दू विरोधी मुख्यमंत्री सिद्धारमैया को बर्खास्त किया जाए, इसी बीच मैसूर अरबन डवलपमैंट अथॉरिटी के चेयरमैन के. मैरीगौडा ने निजी कारणों का हवाला देकर पद से इस्तीफा दे दिया। मैरीगौडा को मुख्यमंत्री का करीबी माना जाता है उन्होंने इस्तीफे के कारणों में स्वास्थ्य मन्त्री के अलावा मुख्यमन्त्री के निर्देश को भी कारण बताया है।

लेकिन उन्होंने इस बात से साफ इन्कार किया कि उनके इस्तीफे के पीछे कोई राजनैतिक दबाव है। उन्होंने मंगलवार को पत्रकारों से कहा, "मैं मन्त्री महोदय से मिला और उन्हें अपना इस्तीफा दिया। मुख्यमन्त्री ने मुझे इस्तीफा देने का निर्देश दिया था और मैंने इस्तीफा दे दिया है। इसके अलावा मेरा स्वास्थ्य का एक बड़ा कारण है, न्यायिक जांच ल रही है चलती रहेगी। जांच पूरी होने के साथ सच्चाई सामने आ जाएगी।"

समूची कांग्रेस पार्टी मुख्यमन्त्री के पक्ष में एकजुट है और पार्टी ने भाजपा के भ्रष्टाचार के आरोपों को नकार दिया तथा कहा कि भाजपा कर्नाटक हारने से निराश है इसलिए "मुडा स्कैम" को मुद्दा बना रही है। इस मामले में कर्नाटक हाईकोर्ट जांच का आदेश दे चुका है और जांच चल रही है। लेकिन राज्य के भाजपा नेता मुख्यमंत्री के इस्तीफे की मांग पर अड़े हुए हैं। उनका कहना है कि अगर पुलिस उनके मातहत काम कर रही है तो स्वतंत्र जांच कैसे हो सकती है। उन्हें जांच चलने तक इस्तीफा दे देना चाहिए।

इस समय मुडा चेयरमैन जिन्होंने मुख्यमन्त्री की पत्नी द्वारा लौटाई गई जमीन स्वीकार कर ली थी, के इस्तीफे ने आग में घी डाल दिया है।

मैरीगौडा ने कहा, "मेरे ऊपर इस्तीफा देने के लिए कोई दबाव नहीं था। मेरा स्वास्थ्य वास्तव में ही ठीक नहीं चल रहा है, इसलिए मैं स्वेच्छा से ही पद से हट रहा हूँ। मैं मुख्यमंत्री को पिछले 40 साल से जानता हूँ। उन्होंने मुझे जिलाध्यक्ष नियुक्त किया तथा कभी भी कोई गैर कानूनी काम करने के लिए नहीं कहा, एम.यू.डी.ए. के सम्बन्ध में भी नहीं। मैं निजी कारणों से इस्तीफा दे रहा हूँ। मुझे दो स्ट्रोक आ चुके हैं तथा अब मैं पद पर नहीं सकता।" एम.यू.डी.ए. अधिकारी को पिछले महीने अस्पताल में भर्ती होना पड़ा था क्योंकि उन्होंने लम्बी सड़क यात्रा के दौरान थकान एवं कष्ट की शिकायत की थी। उनका इलाज मैसुरू अस्पताल में हुआ था।

मामला यह है कि, मुख्यमंत्री की पत्नी बी.एम. पार्वती की जो जमीन मैसूर डवलमैंट अथॉरिटी ने अधिग्रहीत की थी उसके ऐवज में उन्हें जो जमीन अलॉट की गई वो मैसूर के एक महंगे क्षेत्र में है और उस संपत्ति की कीमत अधिग्रहित भूमि से अधिक है। इधर, भाजपा ने सन् 2022 में हुबली पुलिस

(शेष पृष्ठ 3 पर)

## न्याय की देवी की आँखों से पट्टी हटी

नई दिल्ली, 16 अक्टूबर। फिल्मों और अदालतों में आंखों पर बंधी पट्टी के साथ न्याय की देवी की मूर्ति को सभी ने देखा होगा। लेकिन, अब नए भारत की न्याय की देवी की आंखें खुल गई हैं। यहां तक कि उनके हाथ में तलवार की जगह संविधान आ गया है। कुछ समय पहले ही अंग्रेजों के कानून बदले गए हैं।

- भारत के मुख्य न्यायाधीश डी.वाय. चन्द्रचूड़ के निर्देश से न्याय की देवी की मूर्ति में यह बदलाव किया जा रहा है। अब मूर्ति के हाथ में संविधान होगा।

अब भारतीय न्यायपालिका ने भी ब्रिटिश युग को पीछे छोड़ते हुए नया रंगरूप अपनाना शुरू कर दिया है। सुप्रीम कोर्ट का ना केवल प्रतीक बदला है बल्कि सालों से न्याय की देवी की आंखों पर बंधी पट्टी भी हट गई है। जाहिर है कि सुप्रीम कोर्ट ने देश को संदेश दिया

(शेष पृष्ठ 3 पर)

## अचानक क्यों बढ़ गई हैं विमान में बम की अफवाह फैलाने वाली फ़र्ज़ी कॉल्स?

### कहीं इसका उद्देश्य, तेजी से बढ़ रही इंडियन एविएशन इंडस्ट्री की छवि खराब करना तो नहीं है

-अंजन रॉय-
-राष्ट्रदूत दिल्ली ब्यूरो-

नई दिल्ली, 16 अक्टूबर। पिछले 48 घंटों में कई स्रोतों से बार-बार आ रही बम की अफवाहों के परिणामस्वरुप भारतीय विमानन (एविएशन) उद्योग ठप्प सा हो गया है। विभिन्न एविएशन कंपनियों की 12 फ्लाइट्स को बम की धमकी मिली है और सभी फ्लाइट्स रद्द कर दी गई हैं।

भारत की एयरलाइन्स को मिलने वाली बम की धमकियों में अचानक आई तेजी संबंधित अधिकारियों के लिए भारी सिर दर्द बन गई है। नागरिक विमानन मंत्रालय ने डायरैक्टोरेट जनरल ऑफ सिविल एविएशन के साथ शीर्ष स्तर पर चर्चा की है, जो कि मुख्य रुप से भारतीय विमानन उद्योग के संचालन के साथ-साथ सुरक्षा के लिए जिम्मेवार है।

जानकारी के अनुसार, बम की धमकी देने वालों के बारे में कुछ सुराग मिले हैं, लेकिन, एजेन्सियाँ अभी तक धमकी देने वालों तथा उनसे संबंधित लोगों की पूरी पहचान नहीं कर पाई हैं। लेकिन, एयरलाइन्स के बारे में लगातार दी जा रही ऐसी फर्जी धमकियाँ उनकी प्रतिष्ठा को तथा बिज़नैस को नुकसान पहुँचा सकती है।

सौभाग्यवश, अभी तक, इन फर्जी कॉल्स के बाद फ्लाइट्स पर कोई बम नहीं मिले हैं। तथापि, बम की धमकी की इन कॉल्स को, किसी भी सूरत में कभी भी सहजता से नहीं लिया जा सकता है।

एयरलाइन्स के संचालन के लिए बम की अफवाह सबसे बड़ा खतरा है, क्योंकि इनसे यात्रियों की सुरक्षा जोखिम में पड़ती है।

- विशेषज्ञों के अनुसार, भारत में एविएशन उद्योग तेजी से बढ़ रहा है, ना केवल विदेश जाने वाली उड़ानों की मांग बढ़ी है, बल्कि घरेलू स्तर पर भी मांग बढ़ी है। एयरलाइन कम्पनियाँ नए विमान खरीद रही हैं। क्या बाज़ार के अन्य प्रतिस्पर्धी सुरक्षा का डर पैदा करके भारतीय विमान सेवाओं की साख खराब कर रहे हैं।
- एक संदेह और पैदा हो रहा है कि बार-बार फ़र्ज़ी कॉल्स आने से एयरलाइन्स व सुरक्षा एजेंसियाँ लापरवाह होकर सुरक्षा संबंधी प्रोटोकॉल्स में लापरवाही बरत सकती हैं, जिससे आतंकियों को अपने मंसूबे पूरे करने में मदद मिल सकती है।

प्रश्न यह है कि भारतीय एयरलाइनों को अचानक इतने अधिक ऐसे फर्जी कॉल्स क्यों मिल रहे हैं। अधिक महत्वपूर्ण प्रश्न है, क्या इन फर्जी धमकियों के पीछे और भयावह योजनाएं तो नहीं हैं। क्योंकि खतरा यह है कि, फर्जी धमकियों के बढ़ने के साथ एयरलाइन्स या सुरक्षा एजेन्सियाँ बेपरवाह व असावधान हो सकती हैं तथा सिक्यूरिटी प्रोटोकॉल्स को नज़र अंदाज़ करना शुरु कर सकती हैं।

शिकागो से बॉम्बे की एक एयर इण्डिया फ्लाइट को दूरस्थ आर्कटिक क्षेत्र के एक कैनेडियन एयरपोर्ट पर एमरजैन्सी लैण्डिंग करनी पड़ी। हवाई जहाज के सभी यात्रियों को फिर एक कैनेडियन मिलिटरी एयरक्राफ्ट से शिकागो भेजना पड़ा।

दूसरी तरफ, सिंगापुर में, सिंगापुर आर्म्ड फोर्सेज़ के एफ 16 फिशर जैट्स ने, एयर इण्डिया एक्स्प्रैस की एक फ्लाइट को एस्कॉर्ट करके चांगी एयरपोर्ट पर उसकी लैण्डिंग करवाई। वर्तमान में सिंगापुर की अथॉरिटीज़ उक्त एयरक्राफ्ट की जांच कर रही हैं।

इसी प्रकार, बॉम्बे से न्यूयॉर्क जा रही एयर इण्डिया की एक फ्लाइट को टेक ऑफ के बाद, इसी प्रकार की बम की धमकी मिलने के बाद दिल्ली भेजना पड़ा।

इस तरह की बम की फर्जी कॉल्स लंबी अन्तर्राष्ट्रीय उड़ानों तक ही सीमित नहीं हैं। कम दूरी की घरेलू उड़ानों के साथ भी ऐसा हुआ है। इसी तरह की फर्जी धमकी के बाद स्पाइस जैट की एक फ्लाइट को रद्द करना पड़ा था।

बार-बार आने वाली इन धमकी भरी झूठी कॉल्स से फ्लाइट शिड्यूल में व्यवधान आता है तथा उड़ाने प्रभावित

(शेष पृष्ठ 3 पर)

## बम की धमकीः 7 फ्लाइट्स की इमरजैंसी लैंडिंग

नई दिल्ली, 16 अक्टूबर। इंडियन एयरलाइंस की सात और फ्लाइट्स में बुधवार को बम होने की धमकी मिली। इसमें इंडिगो की चार, स्पाइसजेट की 2 और अकासा की एक फ्लाइट शामिल है। पिछले 3 दिन में 19 विमानों को बम

- जाँच में सभी धमकियाँ झूठी निकलीं, पर, केन्द्र ने उड़ानों में एयर मार्शलों की संख्या दुगुनी करने का निर्णय लिया।

की धमकी मिल चुकी है। 15 अक्टूबर को 7 फ्लाइट्स में बम होने की धमकी मिली थी। इन फ्लाइट्स में एअर इंडिया एक्सप्रेस का दिल्ली से शिकागो जाने वाला विमान भी शामिल था। उसे कनाडा डायवर्ट कर इकालुइट एयरपोर्ट पर उतारा गया था।

जांच में इन फ्लाइट्स में बम की खबर झूठी निकली थीं। हालांकि, सभी

(शेष पृष्ठ 3 पर)